

180 C调 2/4 中华要兴起

3 3 3 | 5 5 6 | 5 2 3 | 1 - | 2 2 2 | 2 2 1 | 7 2 6 | 5 - |
 中华之崛起要传福音，中华之崛起要救灵魂，
 1 1 1 | 1 1 2 | 6 6 | 6 5 4 | 5 5 · | 5 3 · | 2 2 2 | 1 | 1 - |
 中华之崛起要敬畏神，中华中华上帝爱你。
 3 · 5 | 3 3 2 | 1 1 2 6 | 5 - | 1 · 2 | 3 5 | 1 6 5 3 | 2 - |
 愿你得着那天上的甘露，不在旷野沙漠寄居，
 1 · 2 | 3 5 5 | 6 6 5 | 4 - | 2 · 2 2 1 | 7 6 7 | 1 - | 1 - |
 愿你向天上神仰脸，他的祝福永伴随你。
 6 - | 6 · 7 | 1̇ 7 | 6 - | 5 - | 5 · 6 | 1 5 | 3 - |
 中华要传福音，中华要救灵魂，
 6 - | 6 6 7 | 1̇ 7 | 6 - | 6 6 5 | 6 5 | 1̇ - | 1̇ - ||
 中华今日要兴起，中华要事奉神！

181 G调 2/4 多想让你拥有耶稣

6 1 1 1 2 | 3 · 3 2 1 | 6 · 1 2 1 6 | 5 - |
 我多想让你拥有耶稣，今日就 得着，
 6 1 1 1 2 | 3 · 3 2 1 | 6 · 1 1 3 | 2 - |
 我多想让你拥有耶稣，现在就 得着，

1̇ · 5 6 1 | 3 · 3 2 1 | 6 · 1 2 3 1 | 6 - |
 时候不多光阴短暂我的心如火，
 1̇ · 5 6 6 6 1 | 2 · 3 2 1 | 7 · 6 5 6 | 1 - ||
 但愿普天下的人们今日都得着耶稣。

182 C调 4/4 用灵歌唱

5 5 5 3 6 6 6 7 | 3̇ 3̇ 3̇ 2̇ 1̇ - | 2̇ · 2̇ 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ 6 1 6 | 5̇ = |
 清晨的时候我的灵早早苏醒，弹起六弦琴赞美主，
 3 · 5 6 6 6 1̇ | 6 5 1 2 3 - | 6 · 5 3 5 3 2 | 1 - - - |
 歌声飘出窗口飘向远方，随风悠悠回荡。
 3 · 3 2 3 2 1 | 6 1̇ 6 5 6 3̇ - | 3 5 6 6 6 1̇ 1̇ 1̇ 2̇ | 3̇ - - - |
 伴着鸟语伴着花香，河流山川也一同歌唱，
 1̇ 1 1 2 3 7 | 6 1 6 5 3 - | 2 2 2 7 6 1 5 6 | 1 - - - |
 人生多美好有耶稣在身上，我的心啊多么欢畅。
 5 · 5 6 5 | 3̇ · 2̇ 1̇ - | 1̇ · 2̇ 3̇ 7 6 6 7 6 | 5 - - - |
 我的灵苏醒 弹琴歌悠扬，
 3 3 5 6 · 1̇ | 6 5 1 2 3 - | 2̇ 2̇ 2̇ 7 6 1̇ 5 6 | 1̇ - - - ||
 美好的时光献给主 我的灵啊歌唱再歌唱！